भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 50

(जिसका उत्तर सोमवार 04 दिसम्बर, 2023/13 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाना है)

2000 रुपये मूल्यवर्ग के नोट

50. श्री अधिकारी दीपक (देव):
श्री एंटो एंटनी:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2000 रुपये मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को वापस लेने के प्रमुख कारण क्या हैं;

(ख) क्या सरकार के पास भारतीय रिजर्व बैंक को लौटाए गए 2000 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों की कुल राशि के संबंध में कोई आंकड़े हैं;

(ग) यदि हां, तो 07 अक्तूबर, 2023 की समय-सीमा समाप्त होने से पहले ऐसे मुद्रित नोटों की संख्या, लौटाए गए नोटों की संख्या और बैंकों द्वारा प्राप्त कुल राशि का बैंक-वार ब्यौरा क्या है और इन नोटों का भविष्य क्या है;

(घ) क्या सरकार अभी भी 2000 रुपये मूल्यवर्ग के नोट बदल/जमा कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो समय सीमा के पश्चात प्राप्त नोटों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(च) अभी भी बदले/जमा किए जाने वाले नोटों की संख्या से संबंधित आंकड़े क्या हैं;

(छ) सरकार द्वारा 2000 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की छपाई हेतु अब तक किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ज) 2000 रुपये के नोट के लिए एटीएम का पुनः अंशांकन करने में राष्ट्रीयकृत बैंकों का बैंक-वार कुल कितना खर्च हुआ है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक की दिनांक 19.05.2023 की प्रेस विज्ञप्ति द्वारा ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेना एक मुद्रा प्रबंधन संचालन था और इसकी योजना आरबीआई की स्वच्छ नोट नीति को ध्यान में रखते हुए बनाई गई थी। ₹2000 मूल्यवर्ग के लगभग 89% नोटों को मार्च 2017 से पहले जारी किया गया था और उनके उपयोग की अवधि सामान्यतः 4-5 वर्ष की होती है जो अब समाप्त होने जा रही है। इसके

अलावा, अन्य मूल्यवर्ग में बैंकनोटों का स्टॉक जनता की मुद्रा आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बना हुआ है।

(ख) से (च) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2016-17 से 2018-19 तक आपूर्ति किए गए ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का कुल मूल्य ₹ 7.40 लाख करोड़ था। 19 मई, 2023 को, जब प्रचलन से वापसी की घोषणा की गई थी, प्रचलन में ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का कुल मूल्य ₹ 3.56 लाख करोड़ था। जिसमें से आरबीआई को लौटाए गए नोटों का कुल मूल्य (30 नवंबर, 2023 तक) 3.46 लाख करोड़ रुपये है। इन नोटों के निपटान के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक में कार्रवाई की जा रही है।

बैंक खातों में विनिमय या क्रेडिट के लिए ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को जमा करने की सुविधा आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई है।

30 नवंबर, 2023 तक प्रचलन में शेष ₹2000 बैंकनोटों का कुल मूल्य ₹ 9760 करोड़ है।

(छ) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, मुद्रण पर कुल व्यय 17,688 करोड़ रुपए था।

(ज) 2000 रुपये के नोट के लिए एटीएम के पुनः अंशांकन पर राष्ट्रीयकृत बैंकों में बैंक-वार कुल व्यय निम्नानुसार है

क्र. सं.	बैंकों का नाम	राशि (लगभग करोड़ रुपये में)
1.	बैंक ऑफ बड़ौदा	2.04
2.	बैंक ऑफ इंडिया	1.17
3.	बैंक ऑफ महाराष्ट्र	0.26
4.	केनरा बैंक	2.68
5.	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	0.18
6.	इंडियन बैंक	0.58
7.	इंडियन ओवरसीज बैंक	2.76
8.	पंजाब नेशनल बैंक	4.52
9.	पंजाब एंड सिंध बैंक	0.10
10.	यूको बैंक	0.80
11.	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	4.36
12.	भारतीय स्टेट बैंक	12.75
	कुल	32.20

स्रोत: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक

*****